[This question paper contains 4 printed pages.]



Your Roll No.2023..

Sr. No. of Question Paper: 3420

 \mathbf{E}

Unique Paper Code :

: 62134402

Name of the Paper

: Sanskrit Gramman

Name of the Course

: **B.A.** (PROG.)

Semester

: IV

Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answers all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

- अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्नलिखित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –
 (5×5=25)

Explain with example any five sutras from the following:

अदर्शनं लोप:, उच्चैरनुदात्त:, वृद्धिरेचि, आदुगुण:, ष्टुना ष्टु, विसर्जनीयस्य स:, कर्मणि द्वितीया, संबोधने च

2. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **पां**च पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए - (5×5=25)

Quoting the relevant sutras, give formation any five of the following:

पौ + अक:, तत् + मुरारि:, गण + ईश:, शिवों वन्दा:, राम: + च, विष्णुस्नात:, वायो + ए।

- जिम्मिलिखित में से किन्हीं दो की परिभाषा दीजिए (5×2=10)
 Define any two technical terms of the following:
 वृद्धि, कर्म, पद, संप्रदान
- 4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए (5×1=5)

Correct any five sentences from the followings:

- (i) जीवन सत्यात् शोभते।
- (ii) वृक्षेण पत्रं पतति ।
- (iii) ग्रामस्य आगच्छति ।
- (iv) चोरेण बिभेति ।
- (v) दश फलम् अस्ति।
- (vi) पुस्तकेन गीता श्रेष्ठा।
- (vii) पितरं नम: ।
- (viii) अलं कलहस्य ।

निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों का समास और विग्रह कीजिए –
 (4×2.5=10)

Make any **five** compound and dissolute of compounds from the following words:

इतिहरि, कृष्णं श्रितः, राजपुत्रः, धर्मश्व अधर्मश्च,

हरिस्रात, कण्ठे कालः यस्य सः, वाक्तवचम्, वृकभयम्

[This question paper contains 4 printed pages.]



Your Roll No.2.02.3.

Sr. No. of Question Paper: 3471

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Gramma

Name of the Course : B.A. (PROG.)

Semester : IV

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

Instructions for Candidates

- 1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- 2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
- 3. Answers all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

- अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए:
 (5×5=25)

Explain with example any five sutras of the following:

हलन्त्यम्, उच्चौरुदात्तः, आदुणः, उरण् रपरः, ष्टुना ष्टुः, विसर्जनीयस्य सः, साधकतमं करणम्, षष्ठी शेषे

2. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **पाँ**च पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए: (5×5=25)

Quoting the relevant sutras, give formation any five of the following:

सुध्युपास्यः, नै + अकः, एतत् + मुरारिः, वाक् + ईशः, शिवो वन्द्यः, रामस् + च, विष्णुस्रातः, दैत्यारिः । 3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की परिभाषा दीजिए : (5×2=10)

Define any two technical terms of the following:

वृद्धि, अधिकरण, पद, अपादान

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (5×1=5)

Correct any five sentences of the following:

- (i) रुद्रम् नम: ।
- (ii) वृक्षेण फलं पतति ।
- (iii) परमेश्वराय वन्दे।
- (iv) सिंहेन बिभेति।
- (v) कटम् आस्ते।
- (vi) कवये कालिदास: श्रेष्ठ: ।
- (vii) भूते बलि: ।
- (viii) अलं विवादस्य ।

5. निम्निलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों का समास अथवा समासविग्रह कीजिए - (4×2.5=10)

Make any **five** compound or dissolute of compounds from the following words:

अधिहरि, कृष्ण श्रित:, राजपुरुष:, माता च पिता च, हरित्रात:, पीतम् अम्बरं यस्य स:, पाणिपादम्, चोरभयम्